इण्डस्ट्रीज, जबलपुर ने 6 और 13 जुलाई तथा 21 दिसम्बर, 1993 को माननीय मंत्री को लिखे पत्रों में उनसे यह अनुरोध किया था कि दिल्ली-भोपाल-जबलपुर हवाई मार्ग पर वायुदूत अथवा किसी प्राईवेट एयरलाइन की उड़ानें आरंभ की जायें क्योंकि इस हवाई मार्ग पर कोई बोइंग सेवा उपलब्ध नहीं है; और

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा भेजे गए उत्तर का ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाब नबी आजाद): (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभा पटल पर रख दी जाएगी।

जबलपुर में टूरिस्ट हॉस्टल का निर्माण

485. **श्री शिवप्रसाद चनपुरिया:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मध्यप्रदेश के जबलपुर शहर में एक टूरिस्ट हॉस्टल का निर्माण करने का प्रस्ताव है;

(ख) क्या इस हॉस्टल के निर्माण हेतु खेल के मैदान की भूमि का अधिग्रहण करने का प्रस्ताव है; और

(ग) यदि हां, तो प्रस्तावित भूमि का अधिग्रहण करके हॉस्टल का निर्माण कार्य कब तक आरंभ किया जायेगा?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आज़ाद): (क) जी, नहीं।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

इंडियन एयरलाइंस की अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों से प्राप्त राजस्व

486. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1993-94 के दौरान अब तक इंडियन एयरलाइंस की अंतराष्ट्रीय उड़ानों से यात्रा करने वाले व्यक्तियों तथा ढोये गये माल का ब्यौरा क्या है;

(ख) इंडियन एयरलाइंस द्वारा पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष कितना राजस्व अर्जित किया गया;

(ग) क्या इंडियन एयरलांइस इस समय अंतर्राष्ट्रीय हवाई मार्गों पर अन्य अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों के साथ संतोषजनक रूप से प्रतिस्पर्धा कर रही है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाये गये हैं अथवा उठाये जाने का प्रस्ताव है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाब नबी आजाद): (क) और (ख) अप्रैल-दिसम्बर, 1993 के और 1992 की तदनुरूपी अवधि के ब्यौरे अनुपत्र में दिए गये हैं। (**देखिए** परिशिष्ट 170, अनुपत्र सं॰ 10)

(ग) से (ङ) इंडियन एयरलाइंस को उन सभी सैक्टरों पर, जिनमें यह अन्य अन्तर्राष्ट्रीय वाहकों के साथ होड़ में प्रचालन कर रही है, नकद लागत से अधिक आय हो रही है।

देखिए परिशिष्ट 170, अनुपत्र सं 10)

IA pilots leaving without compensation

487. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA:
SHRI GURUDAS DAS GUPTA:
SHRI N. GIRI PRASAD:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is fact that at the time of joinning service, pilots have to sign a bond stipulating that they will serve Indian Airlines for a minimum of 10 years or pay Rs. 10 lakhs in compansation for the training they receive, should they decide to leave before the stipulated period;

(b) whether it is also a fact that a number of pilots trained by the Indian Airlines have left without paying the statutory compensation;

(c) if so, what is the total number of such pilots and what is the amount involved;

(d) how many of these pilots have joined foreign airlines; and

(e) what are the possibilities of recovering the compensation amount due from them?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). Of the 111 pilots who submitted their resignations since 1991, 35 were under bond. The amount involved is Rs. 1.30 crores.